



दी नैक्सट पोस्ट

साप्ताहिक

7

3

होर्मुज में देवरिया के शिवानंद की मौत

5

यात्रियों में फैली दहशत

8

धर्मशाला बनडे में खेलते ही नया कीर्तिमान बनाएंगे रोहित शर्मा

UPHIN/2023/90814

वर्ष: 03, अंक: 51

पृष्ठ संख्या: 8

मूल्य: 1.00 रु.

सोमवार 15 जून, 2026

सीएम योगी बोले— पीएम मोदी ने देश को पालिसी पैरालिसिस और भ्रष्टाचार के दौर से बाहर निकाला

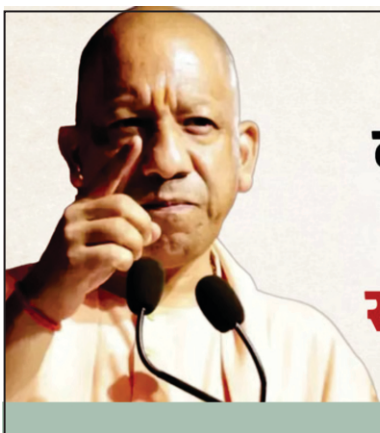
अमेठी, संवाददाता। केंद्र में मोदी सरकार के 12 साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में लोकभवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मीडिया को संबोधित किया और प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में बीते 12 साल में केंद्र की मोदी व प्रदेश सरकार की ओर से किए गए विकास कार्यों का प्रदर्शन किया गया।

पीएम मोदी ने देश को भ्रष्टाचार और पॉलिसी पैरालिसिस के दौर से बाहर निकाला

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पीएम मोदी ने देश को पॉलिसी पैरालिसिस और भ्रष्टाचार से बाहर निकाला।

2014 के पहले भारत आकंट भ्रष्टाचार में डूबा हुआ था। योजनाएं भ्रष्टाचार के कारण दम तोड़ देती थीं पर अब भारत दुनिया की सबसे तेज बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था में बदल चुका है। मोदी जी के नेतृत्व के कारण ही देश को आत्मविश्वास का एहसास हुआ।

यही कारण है कि देश की सेनाएं अब दुश्मनों के घर में घुसकर वार कर रही हैं। दुनिया भारत की धमक को महसूस कर रही है। सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी ने भारत के सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने का रिकॉर्ड बनाया है। इसके लिए प्रदेश की जनता की तरफ से मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं और ये कामना करता हूं कि उनका नेतृत्व देश को निरंतर मिलता रहे।



सीएम योगी बोले- मोदी देश की आस्था को सम्मान देने वाले पहले पीएम

पीएम मोदी देश की आस्था को सम्मान देने वाले पहले प्रधानमंत्री सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने लोगों की आस्था को सम्मान देने का काम किया है। पीएम मोदी राम मंदिर के शिलान्यास, लोकार्पण और ध्वजारोहण समारोह में शामिल हुए। ऐसा करके देश की आस्था को सम्मानित किया। वहीं, आजादी के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री सोमनाथ मंदिर के कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए और जब राष्ट्रपति ने शामिल होने की कोशिश की तो उन्हें रोकने का प्रयास किया।

पीएम मोदी ने कई बार दिया अपनी नेतृत्वक्षमता का प्रमाण

सीएम योगी ने कहा कि ये पीएम मोदी की नेतृत्वक्षमता का ही प्रभाव है कि जब भी

उन्होंने देश से आह्वान किया पूरा देश एक साथ खड़ा हुआ। कोरोना की त्रासदी में पीएम मोदी के आह्वान पर एक साथ खड़ा हुआ। इसी तरह जब आजादी का अमृत महोत्सव शुरू हुआ तब भी पूरा देश प्रधानमंत्री मोदी के साथ खड़ा हो गया। पीएम मोदी ने आजादी के बाद पहली बार गुलामी की मानसिकता को समाप्त करने का प्रयास किया और प्रधानमंत्री आवास का नाम बदलकर सेवातीर्थ किया और राजभवन का नाम जनभवन किया।

देश के लिए कानून का निर्माण करेंगी महिलाएं, युवाओं को सशक्त किया गया, किसानों को एजेंडे में शामिल किया

सीएम योगी ने प्रदेश व केंद्र सरकार की योजनाओं का वर्णन करते हुए कहा कि पीएम मोदी के कार्यकाल में महिलाओं को

हर क्षेत्र में आगे आने का मौका दिया गया। उनकी सुरक्षा और सम्मान को पहले स्थान पर रखा गया। इसके लिए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत कार्य किया गया। सिर्फ इतना ही नहीं देश की महिलाएं कानून निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं इसके लिए नारी शक्ति वंदन कानून लाया गया। अब देश की महिलाएं देश के विकास के लिए कानून का निर्माण भी कर सकेंगी। मोदी सरकार ने युवाओं को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया और मुद्रा योजना का शुभारंभ किया। विश्वकर्मा योजना सहित तमाम योजनाओं के माध्यम से सशक्त करने का प्रयास किया गया।

देश के लिए कानून का निर्माण करेंगी महिलाएं, युवाओं को सशक्त किया गया

सीएम योगी ने प्रदेश व केंद्र सरकार की योजनाओं का वर्णन करते हुए कहा कि पीएम मोदी के कार्यकाल में महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे आने का मौका दिया गया।

उनकी सुरक्षा और सम्मान को पहले स्थान पर रखा गया। इसके लिए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत कार्य किया गया। सिर्फ इतना ही नहीं देश की महिलाएं कानून निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं इसके लिए नारी शक्ति वंदन कानून लाया गया। अब देश की महिलाएं देश के विकास के लिए कानून का निर्माण भी कर सकेंगी। मोदी

सरकार ने युवाओं को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया और मुद्रा योजना का शुभारंभ किया। विश्वकर्मा योजना सहित तमाम योजनाओं के माध्यम से सशक्त करने का प्रयास किया गया। मोदी सरकार ने किसानों को अपने एजेंडे में रखा और कई योजनाओं का शुभारंभ किया। प्रदेश के तीन करोड़ किसान किसान सम्मान निधि का लाभ ले रहे हैं। यूपी में अकेले गन्ना किसानों को तीन लाख 22 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। किसानों को उनकी फसल का दाम मिल रहा है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला गया

सीएम योगी ने कहा कि 12 साल में जनता ने महसूस किया कि सरकार का काम सिर्फ योजनाओं का निर्माण नहीं होता है बल्कि उनका कार्यान्वयन भी बेहद जरूरी है। पीएम मोदी पहले ऐसे नेता हैं जिन्होंने ये कहने का साहस किया कि देश में सिर्फ चार जातियां हैं जो कि गरीब, महिला, युवा और किसान हैं।

पीएम मोदी के नेतृत्व में देश के 25 करोड़ गरीबों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला गया है। जनता को जन धन योजना, उज्ज्वला योजना और आयुष्मान योजना का लाभ मिला। करोड़ों लोगों को सरकारी आवास मिला। पीएम मोदी के नेतृत्व के कारण ही यूपी की पहचान बदली और प्रदेश विकास के रास्ते पर आगे बढ़ने लगा।



NDA से ट्रेनिंग पूरी कर पहली बार सेना में शामिल हुई 9 महिला कैडेट्स!

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ को मिली बड़ी जिम्मेदारी, सरकार ने बनाया आर्मी चीफ

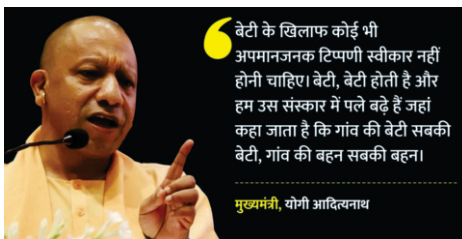


बेटी सबकी होती है-अखिलेश की बेटी पर टिप्पणी मामले में तुरंत एफआईआर करवाई, आजमगढ़ में बोले सीएम योगी

आजमगढ़, संवाददाता। जनसभा के दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बेटियों पर टिप्पणी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान उन्होंने अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा। मैं पिछले दिनों देख रहा था।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की पुत्री के खिलाफ कुछ लोगों ने गलत टिप्पणियां की थीं। जैसे मेरे सज्जन में आया। पुलिस से मैंने कहा इसमें एफआईआर दर्ज कराओ, बेटी के खिलाफ कोई भी अपमानजनक टिप्पणी स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए। बेटी, बेटी होती है और हम तो संस्कार में हैं। उक्त बातें सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कही।

चेले- चपाटों को भी थोड़ा उपदेश दे दो उन्होंने कहा कि कहा जाता है कि गांव की बेटी सबकी बेटी, गांव की बहन सबकी बहन है। हमने तो कोई भेदभाव नहीं किया, लेकिन अखिलेश जी दूसरों को उपदेश देते हो, अपने चेले- चपाटों को भी थोड़ा उपदेश दे दो कि अपनी भाषा को संयम कर लें। दूसरों के प्रति टिप्पणी करने के पहले स्वयं भी सोचा



बेटी के खिलाफ कोई भी अपमानजनक टिप्पणी स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए। बेटी, बेटी होती है और हम उस संस्कार में पले बढ़े हैं जहां कहा जाता है कि गांव की बेटी सबकी बेटी, गांव की बहन सबकी बहन।

मुख्यमंत्री, योगी आदित्यनाथ

करो कि आपके लोग इस प्रकार की भाषा का प्रयोग बहन और बेटियों के प्रति बुजुर्गों के प्रति, दिवंगत लोगों के प्रति और वरीष्ठ नेताओं के प्रति करते हैं। इसके बारे में उनको भी संस्कारित करने की आवश्यकता है। अच्छा होगा उनको समझाओ और नहीं समझ सकते तो हमारे हवाले कर दो। हम उनको अच्छी तरह समझा देंगे।

बेटी की शिक्षा और बेटी की शादी की स्कीम भी हमारे पास है

सीएम योगी ने कहा कि आज बेटी की शिक्षा और बेटी की शादी की स्कीम भी हमारे पास है। 2017 और 2014 के पहले क्यों नहीं हुआ? एक्सप्रेस-वे 2017 के पहले क्यों नहीं बन पाया?



असम एयरक्राफ्ट 5 जवान

भारतीय वायु सेना की तरफ से बताया गया है कि असम के जोरहाट में एएन-32 विमान दुर्घटना में पांच जवान बलिदान हो गए हैं। वायुसेना की तरफ से जवानों के बलिदान पर गहरा दुख जताया गया है। वायुसेना का कहना है कि स्वर्वाङ्गन लीडर प्रशांत सिंह, फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार, सार्जेंट जितेंद्र शर्मा, अग्निवीरवायु खेमाराज कुमावत और अग्निवीरवायु दानिश आलम ने ड्यूटी के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया।

सम्पादकीय

फिर भड़का युद्ध

अमेरिका—ईरान तनाव से पश्चिम एशिया संकट गहराया, तेल कीमतें बढ़ीं। अमेरिकी हमले में तीन भारतीय नाविकों की दुखद मौत हुई। भारत ने अमेरिकी राजनयिक को तलब कर विरोध दर्ज कराया।

साफ है कि अमेरिकी सेना निहायत ही गैर जिम्मेदारी का परिचय दे रही है। वह जहाजों को रोकने, जब्त करने के बजाय जिस तरह उन्हें ध्वस्त करने का काम कर रही है, वह अस्वीकार्य और अक्षम्य है। अमेरिका और ईरान के बीच फिर से युद्ध छिड़ने के कारण न केवल पश्चिम एशिया का संकट और गहरा गया है, बल्कि विश्व अर्थव्यवस्था के लिए भी समस्याएं बढ़ गई हैं। अमेरिकी हमलों के जवाब में ईरान ने जिस तरह होर्मुज समुद्री जल मार्ग को फिर से बंद करने का फैसला किया, उसके बाद अमेरिका और उसके बीच तनाव तो बढ़ेगा ही, खाड़ी के देशों से होने वाली तेल और गैस की आपूर्ति के भी बिल्कुल ठप होने का अंदेशा है। इसके चलते पहले से ही चढ़े तेल एवं गैस के मूल्य और बढ़ सकते हैं। इससे भारत समेत अन्य देशों और विशेष रूप से एशियाई देशों का संकट और बढ़ेगा। इससे खराब बात और कोई नहीं कि अमेरिका और ईरान के बीच समझौते की जो थोड़ी—बहुत गुंजाइश बन रही थी, वह भी समाप्त होती दिख रही है। इसके लिए दोनों ही पक्षों का अड़ियल रवैया जिम्मेदार है। जहां अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप यह चाहते हैं कि ईरान उनके मन मुताबिक समझौता करे, वहीं ईरानी नेतृत्व न तो परमाणु हथियार बनाने के अपने इरादे का परित्याग करने को तैयार है और न ही होर्मुज पर अपना दावा छोड़ने के लिए। वह इजरायल के लिए खतरा बने हिजबुल्ला को समर्थन देने से पीछे हटने के लिए भी तैयार नहीं। वह यह तो चाहता है कि इजरायल लेबनान में हिजबुल्ला के ठिकानों पर हमला करने से बाज आए, लेकिन वह इस संगठन को इजरायल को निशाना बनाने से रोकने के लिए तैयार नहीं। समस्या केवल यह नहीं कि ईरान होर्मुज पर अवैध कब्जा करना चाहता है, बल्कि यह भी है कि अमेरिकी सेना उसके बंदरगाहों की नाकेबंदी के चलते इस समुद्री जल मार्ग से इस बहाने जहाजों को नहीं निकलने दे रहा है कि वे या तो ईरान जा रहे थे या फिर वहां से आ रहे थे। इसी को आधार पर बनाकर उसने पिछले चार दिनों में तीन जहाजों पर हमले किए। इनमें से दो पलाऊ और एक गिनी—बिसाऊ का था, लेकिन इन तीनों में भारतीय नाविक सवार थे। इनमें से एक जहाज पर अमेरिकी हमला घातक साबित हुआ। इस हमले में तीन भारतीय नाविक मारे गए। साफ है कि अमेरिकी सेना निहायत ही गैर जिम्मेदारी का परिचय दे रही है। वह जहाजों को रोकने, जब्त करने के बजाय जिस तरह उन्हें ध्वस्त करने का काम कर रही है, वह अस्वीकार्य और अक्षम्य है। यह सर्वथा उचित है कि भारत ने अपने तीन भारतीय नाविकों के मारे जाने की घटना पर अमेरिकी राजनयिक को तलब कर अपना विरोध दर्ज कराया, लेकिन केवल इतना ही पर्याप्त नहीं। उसे विश्व के अन्य देशों के साथ मिलकर अमेरिका और ईरान पर इसके लिए दबाव बनाना होगा कि वे कारोबारी जहाजों को निशाना बनाने से बाज आए। भारत को ऐसा इसलिए करना होगा, क्योंकि खाड़ी क्षेत्र में 18 हजार से अधिक भारतीय नाविक देसी—विदेशी जहाजों पर कार्यरत हैं।

ऊर्जा सुरक्षा के लिए गोबर गैस

जिस तरह एथनोल उत्पादन कार्य को गंभीरता से तेज गति से बढ़ाया गया है, यदि उसी भावना से गोबर गैस उत्पादन को भी वाणिज्यिक स्तर पर प्रोत्साहन देकर आगे बढ़ाया जाए, तो बड़ी उपलब्धि हासिल की जा सकती है। इससे किसानों को भी गोबर उपलब्ध करवाने के बदले अतिरिक्त कमाई हो सकती है। जो खुद के लिए छोटा प्लांट लगा लेंगे, वे गैस सिलिंडर पर होने वाला खर्च बचा रहे होंगे। इस प्रक्रिया में गैस तो निकल जाती है, शेष गोबर डाईजेस्टर में अच्छी तरह सड़ कर बाहर आता है जो ज्यादा गुणवत्तापूर्ण खाद होता है। इसके अलावा फसलों के अपशिष्ट, पराली या गेहूं, गन्ना और कपास के अपशिष्ट भी सीएनजी, पीएनजी बनाने के लिए उपयोग कर लिए जाएं तो प्राकृतिक गैस के आयात में कमी आ सकती है। ईरान बनाम इजरायल—अमरीका युद्ध ने वैश्विक स्तर पर खनिज तेल आधारित ऊर्जा व्यवस्था को डांवाडोल कर दिया है। भारतवर्ष पर इसका खासा असर होना स्वाभाविक है, क्योंकि हमारी 85 प्रतिशत ऊर्जा जरूरतें दूसरे देशों से आयात के माध्यम से ही पूरी होती हैं और इसका बड़ा भाग मध्य पूर्वी देशों से ही आता है। होर्मुज जलडमरू मध्य से समुद्री नौवहन में युद्ध के कारण आई रुकावट के चलते यह स्पष्ट हो चुका है कि इस तरह की स्थितियां देश की घरेलू, औद्योगिक और सैनिक जरूरतों के लिए घातक साबित हो सकती हैं। निकट भविष्य में इस स्थिति में सम्यक सुधार की संभावनाएं भी कम ही दिखाई दे रही हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में युद्ध के चलते खनिज तेल की कीमतें दुगनी हो चुकी हैं। सरकार ने अभी तक तो घरेलु ऊर्जा जरूरतों पर बड़ी हुई कीमतों का उतना असर नहीं होने दिया है, किन्तु लंबे समय तक ऐसा कर पाना संभव नहीं होगा। अभी तक ही दो—तीन बार पेट्रोल—डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की जा चुकी है। इस समस्या के दीर्घकालीन समाधान को ध्यान में रख कर ही सरकार ने एथनोल को पेट्रोल में मिला कर पेट्रोलियम पदार्थों की मांग कम करने का प्रयास शुरू किया है और एथनोल के प्रयोग को लगातार बढ़ाते जाने की योजना पर काम हो रहा है। पेट्रोल में एथनोल मिलाने का प्रतिशत 20 से बढ़ा कर 40 तक ले जाने की संभावनाओं की तलाश की जा रही है। लेकिन इसकी भी सीमा है जिससे आगे एथनोल उत्पादन संभव नहीं होगा। हमारे पास और भी संसाधन हैं जिनके योजनाबद्ध उपयोग से हम ऊर्जा सुरक्षा और आत्मनिर्भरता में बड़ा योगदान कर सकते हैं। हमारे पास कृषि अपशिष्ट और गोबर का प्रचुर भंडार है, जिससे मीथेन, सीएनजी, पीएनजी बना कर खनिज तेल की आयात जरूरतों को कम किया जा सकता है। फिलहाल उपलब्ध गोबर का उपयोग करने पर क्या स्थितियां बनेंगी, इस पर विचार करते हैं। देश में 2025 की पशु गणना के अनुसार गोवंश और भैंस कुल 30.30 करोड़ है। यह ऐसा पशुधन है जिनके गोबर से मीथेन गैस बनाई जा सकती है। एक किलो मीथेन गैस बनाने के लिए लगभग 30 किलो गोबर चाहिए, जो हमें दो पशुओं से दैनिक प्राप्त हो सकता है। इस तरह 15 करोड़ किलो गैस प्रतिदिन बनाई जा सकती है। साल में कुछ कमी—बेशी को छोड़ दें तो 300 दिन का गिनते हैं। इससे 4500 करोड़ किलो गैस प्रतिवर्ष बनाई जा सकती है। इसको टन में बदल लें तो 4.5 करोड़ टन हुए। एक सिलिंडर में 15 किलो गैस के हिसाब से एक टन से 66 सिलिंडर भरे जा सकते हैं। 4.5 करोड़ टन से 297 करोड़ सिलिंडर भरे जाएंगे। देश की आबादी को 140 करोड़ मानते हुए, औसत 5 प्राणियों का परिवार मानते हुए 28 करोड़ परिवार हुए। यदि हर महीने प्रति परिवार एक सिलिंडर की खपत मान कर चलें तो 12 महीने में 336 करोड़ सिलिंडर की खपत होगी। जबकि हमारे पास संसाधन 297 करोड़ सिलिंडर भरने के हैं। यानी इस क्षमता का दोहन कर लिया जाए तो घरेलू खपत को लगभग पूरा किया जा सकता है। हर घर में गोबर गैस प्लांट बनाना शायद संभव नहीं होगा, किन्तु कुछ में तो संभव होगा।शेष संसाधन को वाणिज्यिक स्तर पर बड़े और आधुनिक तकनीक पर कार्य करने वाले गोबर गैस प्लांट बना कर ऊर्जा सुरक्षा में आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाया जा सकता है, और आयात बिल और विदेशी मुद्रा को भी बचाया जा सकता है।

देश का ‘अपारंपरिक पीएम’

नरेंद्र मोदी बीते 12 लंबे सालों से, यानी 4400 दिनों से, निरंतर तीसरी बार देश के निर्वाचित प्रधानमंत्री हैं। यह कोई सामान्य घटना या राजनीतिक, लोकतांत्रिक स्वीकृति ही नहीं है, बल्कि देश के जनमत का निष्कर्ष है। भारत का प्रधानमंत्री बनना अपने आप में हिमालय लांघने जैसा कीर्तिमान है। यह लोकतंत्र के सशक्तिकरण का भी प्रमाण है। भारत जैसे बहुक्षेत्रीय, बहुभाषायी, बहुसांस्कृतिक, बहुनस्लीय, बहुधर्मी देश का इतने लंबे कार्यकाल तक प्रधानमंत्री बने रहना विविधता की मुहर भी है। लेकिन प्रधानमंत्रियों की आपसी तुलना नहीं की जानी चाहिए। न तो जवाहर लाल नेहरू ‘महान्तम’ थे और न ही नरेंद्र मोदी ‘कमतर महान’ हैं। वे लोकतंत्र के जनादेश के वाहक हैं और देश का नेतृत्व कर रहे हैं। प्रधानमंत्रियों की राजनीतिक परिस्थितियां, कालखंड भिन्न होते हैं, लिहाजा तुलना बुनियादी और शास्त्रीय आधार पर गलत है। देश में वीपी सिंह, चंद्रशेखर, देवगौड़ा, इंद्रकुमार गुजराल सरीखे प्रधानमंत्री भी हुए हैं, जिन्हें राजनीतिक कारणों से एक साल का कार्यकाल भी नसीब नहीं हुआ, लेकिन वे भी प्रधानमंत्रियों की जमात में शामिल हैं। उनके नाम भी राष्ट्रीय उपलब्धियां दर्ज होंगी! नेहरू इसलिए सर्वाधिक उल्लेखनीय रहे हैं, क्योंकि उन्हें ‘स्वतंत्र भारत’ का सबसे पहले नेतृत्व करने का अवसर मिला। उन्हें राष्ट्रीय निर्माण के ‘बुनियादी पत्थर’ रखने का दायित्व मिला। उन्होंने आईआईटी, आईआईएम, एम्स, भारी उद्योग, भाखड़ा जैसे बांध, रेलवे के शुरुआती विस्तार आदि को आकार दिया। बेशक प्रधानमंत्री मोदी ने उनका खूब विस्तार कराया। आज देश के प्रमुख राज्यों में आईआईटी और एम्स मौजूद हैं। सभी समान स्तरीय हैं। नेहरू को ‘सुई’ से शुरुआत करनी पड़ी। उन्होंने भी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक गलतियां कीं, लेकिन यह तो इनसानी फितरत है। लिहाजा प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ दिया, उन्हें पीछे कर दिया, ऐसी हुंकारों से भाजपाई मंत्रियों, नेताओं और काडर को बचना चाहिए। नेहरू के कालखंड में देश की जीडीपी एक ट्रिलियन डॉलर से बहुत कम थी और मोदी को जब सत्ता सौंपी गई, तो जीडीपी 2 ट्रिलियन डॉलर को पार कर चुकी थी और आज 12 साल बाद हम 4 ट्रिलियन डॉलर की, विश्व की छठी बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। आजादी के बाद देश की आबादी करीब 5 गुना अधिक हो चुकी है, लिहाजा जीडीपी भी उसी अनुपात में बढ़ रही है। दरअसल कई मायनों में प्रधानमंत्री मोदी ‘अपारंपरिक प्रधानमंत्री’ हैं। उन्होंने जन—धन बैंक खाते, उज्ज्वला गैस, शौचालय, सरकारी मदद से पक्के घर, हर नल में जल, आयुष्मान भारत, जम्मू—कश्मीर में अनुच्छेद 370 को समाप्त करना, तीन तलाक संबंधी कानून, वैश्विक महामारी कोरोना के संदर्भ में 220 करोड़ से अधिक कोरोना टीके की खुराक मुफ्त देना, कोरोना टीके का भारत में ही आविष्कार आदि ‘अपारंपरिक’ कार्यक्रम और योजनाएं हैं। इनकी व्यवस्था में खामियां हैं, विसंगतियां हैं, जनता को शिकायतें हैं, लेकिन ये नीतिगत अभियान निरंतर जारी हैं। ऐसा किसी भी पूर्व प्रधानमंत्री ने नहीं सोचा। प्रधानमंत्री मोदी को इसका राजनीतिक लाभ मिलता रहा है। कोरोना के दौर से 80 करोड़ से अधिक भारतीयों को 5 किलो मुफ्त राशन हर महीने मुहैया कराया जा रहा है और 2029 तक जारी रहेगा, लेकिन आर्थिक विशेषज्ञ और जानकार सवाल करते रहे हैं कि यदि इन (अब 81.35 करोड़) लोगों को मुफ्त राशन न बांटा जाए, तो क्या ये लोग भूखे मर जाएंगे? यदि देश की यही स्थिति है, तो गरीबी के आंकड़ों का यथार्थ भयावह है। फिर 25 करोड़ लोगों को गरीबी—रेखा से बाहर निकालने के दावे बेमानी हैं। हम मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों पर निरंतर सवाल उठाते रहे हैं। यह हमारा संवैधानिक, लोकतांत्रिक जनादेश है। प्रधानमंत्री मोदी के कालखंड में नक्सलवाद लगभग समाप्त कर दिया गया है। आतंकवाद कभी—कभार सांस लेने लगता है, अलबत्ता अलगाववाद के साथ उसका भी सूपड़ा साफ कर दिया गया है। प्रधानमंत्री मोदी को 32 देशों ने सर्वोच्च सम्मान से नवाजा है, यह भारत का ही सम्मान है। प्रधानमंत्री मोदी ने 15 से अधिक देशों की संसद को संबोधित भी किया है, यह अंतरराष्ट्रीय सम्मान भी अभूतपूर्व है। 2014 में जब नरेंद्र मोदी पहली बार प्रधानमंत्री बने, तो देश के 8 राज्यों में ही भाजपा—एनडीए की सरकारें थीं, लेकिन आज यह विस्तार 22 राज्यों तक हो गया है और भाजपा—एनडीए देश के 75 फीसदी से अधिक भूभाग पर शासन कर रहे हैं, लेकिन मोदी को अभी लंबा रास्ता तय करना है और भारत को ‘विकसित देश’ बनाना है।

होर्मुज में देवरिया के शिवानंद की मौत

गरीबी से लड़ने के लिए छोड़ा था घर, सफर में छिन गई जिंदगी, दर्दभरी कहानी

पैकौली (देवरिया), संवाददाता । होर्मुज में जहाज पर हुए हमले में देवरिया के शिवानंद चौरसिया की मौत हो गई। बृहस्पतिवार की सुबह दुबई में रह रहे उनके छोटे भाई रामप्रवेश चौरसिया ने घर वालों को फोन कर इसकी जानकारी दी। परिवार के मुताबिक शिवानंद मालवाहक जहाज पर इंजन फिटर के तौर पर काम करते थे।

दो साल तक परिवार से दूर रहकर शिवानंद ने कभी आधा पेट खाकर तो कभी भूखे रहकर दिन गुजारे, मगर उसके हौसले कभी नहीं टूटे। उसका एक ही सपना था कि परिवार की आर्थिक स्थिति सुधरे, बच्चे अच्छे स्कूल में पढ़ें, माता-पिता और पत्नी को परेशानी न हो। परिजनों के अनुसार, पानी के जहाज पर नौकरी पाने के लिए काफी धन की आवश्यकता थी।

गरीब परिवार से होने के कारण शिवानंद ने दो साल तक जी-तोड़ मेहनत कर एक-एक रुपये जोड़कर अपना सपना पूरा किया। आखिरकार पांच दिसंबर 2025 को वह दिन आया, जब शिवानंद ने पहली बार समुद्री जहाज पर कदम रखा। उस दिन घर फोन कर मां कमलावती देवी और पत्नी सुशीला देवी से खुशी साझा की थी। उसने कहा था, अब हमारी सारी परेशानियां दूर हो जाएंगी। बच्चों को अच्छे स्कूलों में पढ़ाएंगे और परिवार को

अमेरिकी हमले में देवरिया के युवक की मौत

मालवाहक जहाज में इंजन फिटर के रूप में करता था काम

पत्नी की सूनी मांग, बिलखते मासूम, मां भी हुई बेसुध



किसी चीज की कमी नहीं रहने देंगे। बेटे की बात सुनकर माता-पिता और पत्नी की आंखों में भी सुनहरे भविष्य के सपने सज गए थे, मगर किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। 10 जून को अमेरिकी बम हमले जहाज पर तीन लोग घायल हो गए थे।

इनमें शिवानंद की मौत हो गई। घटना की सूचना जब परिजनों को मिली तो चीख-पुकार मच गई। पति की मौत की खबर सुन पत्नी सुशीला बेसुध होकर जमीन पर गिर पड़ीं। मां कमलावती कारो-रोकर बुरा हाल है। पिता रामजी चौरसिया सदमे में हैं। परिवार के लोगों का कहना है कि उन्हें ऐसा लग रहा है कि उनके जीवन की खुशियां एक झटके में

खत्म हो गई हों। गांव में भी शोक की लहर है।

हर कोई शिवानंद के संघर्ष को याद कर भावुक है। लोगों का कहना है कि जिसने परिवार की खुशियों के लिए कष्ट सहा, वह अपने सपनों को साकार होते देखने से पहले ही दुनिया छोड़ कर चला गया। शिवानंद की मौत ने न सिर्फ एक परिवार का सहारा छीन लिया, बल्कि कई अधूरे सपनों को भी हमेशा के लिए दफन कर दिया।

बेटे शिवानंद के अंतिम दर्शन को तरस रहे पिता

सुरौली गांव में मातम पसरा हुआ है। पिता रामजी चौरसिया की आंखें बेटे के अंतिम दर्शन की आस में हैं। दरवाजे पर

शिवानंद के दोनों बच्चों को संभाल रहे रामजी कहते हैं कि जिस बेटे को गोद में खेलाया, अंगुली पकड़कर चलना सिखाया, आज उसी के शव के आने की प्रतीक्षा करनी पड़ रही है। मां कलावती देवी बेटे को याद कर चीख रही हैं।

पत्नी से हुई थी आखिरी बार बात

कैसी हो तुम, घर में सब ठीक तो है, बच्चे सो गए? पति शिवानंद चौरसिया के यही शब्द अब उनकी पत्नी सुशीला के लिए आखिरी याद बनकर रह गए हैं। जहाज पर हुए अमेरिकी हमले में शिवानंद की मौत की खबर मिलने के बाद परिवार गहरे सदमे में है।

पत्नी सुशीला ने बताया कि सोमवार की रात में शिवानंद का फोन आया था। उस समय वह बेटे राजवीर और बेटे वानिकी को सुला रही थीं। नेटवर्क की समस्या की वजह से कुछ ही सेकंड में फोन कट गया था। उसके बाद फिर बात नहीं हो सकी।

होर्मुज में जहाज पर हमले में देवरिया के युवक की मौत

होर्मुज में जहाज पर हुए हमले में सुरौली थाना क्षेत्र के सिरौली गांव के रहने वाले शिवानंद चौरसिया (38) की मौत हो गई।

बृहस्पतिवार की सुबह दुबई में रह रहे उनके छोटे भाई रामप्रवेश चौरसिया ने घर वालों को फोन कर इसकी जानकारी दी। परिवार के मुताबिक शिवानंद मालवाहक जहाज पर इंजन फिटर के तौर पर काम

करते थे। जानकारी के मुताबिक बुधवार को ओमान तट के पास अमेरिका ने एक मालवाहक जहाज पर हमला किया जिस पर इडियन क्रू के 24 कर्मचारी सवार थे। इनमें 21 को बचा लिया गया जबकि तीन लापता हो गए थे।

लापता कर्मचारियों में देवरिया सुरौली थाना क्षेत्र के सिरौली गांव के रहने वाले शिवानंद चौरसिया भी शामिल थे। शिवानंद मालवाहक जहाज पर इंजन फिटर के पद पर कार्यरत थे।

वह करीब दो वर्ष पहले रोजगार के सिलसिले में घर से बाहर गए थे। पिता रामजी चौरसिया ने बताया कि पांच दिसंबर 2025 को मालवाहक जहाज में सवार होकर वह मुंबई से सिंगापुर के लिए रवाना हुए थे। इसके बाद उनका जहाज चीन, ओमान होते हुए ईरान की ओर जा रहा था। बुधवार को होर्मुज क्षेत्र में हुए हमले में शिवानंद की मौत हो गई।

रामजी ने बताया कि इसकी जानकारी सबसे पहले दुबई में रह रहे उनके छोटे बेटे रामप्रवेश चौरसिया ने फोन पर शिवानंद की पत्नी सुशीला को दी। उसने पूरे घटनाक्रम की जानकारी देने के साथ ही बताया कि वह भी घर लौट रहा है। शिवानंद की मौत की जानकारी के बाद परिवार में चीख-पुकार मची हुई है। जानकारी के बाद पुलिस फोर्स भी गांव में पहुंची और स्थिति का जायजा लिया।

दो किशोरों की मौत-गोरखपुर में दर्दनाक हादसा

पीएसी बस ने बाइक सवार युवकों को कुचला



पीलीभीत, संवाददाता । मृतकों की पहचान अमित पुत्र धर्मेन्द्र निवासी बहरामपुर और राज पुत्र रामधारी निवासी अमरुड मंडी के रूप में हुई है। दोनों की उम्र लगभग 17 वर्ष बताई जा रही है और वे एक ही मोटरसाइकिल पर सवार थे। यूपी के गोरखपुर स्थित गीड़ा थाना क्षेत्र के नौसर चौकी के आगे टीवीएस एजेंसी के सामने गुरुवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो किशोरों की मौत हो गई।

हादसा उस समय हुआ जब रॉन्ग साइड से गोरखपुर की ओर जा रही पीएसी की बस ने बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। दुर्घटना में दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई।

बस के नीचे आ गए

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा इतना भीषण था कि दोनों किशोर बस के नीचे आ गए और उनकी मोटरसाइकिल भी

बस के नीचे फंस गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए।

दोनों की उम्र थी 17 साल

मृतकों की पहचान अमित पुत्र धर्मेन्द्र निवासी बहरामपुर और राज पुत्र रामधारी निवासी अमरुड मंडी के रूप में हुई है। दोनों की उम्र लगभग 17 वर्ष बताई जा रही है और वे एक ही मोटरसाइकिल पर सवार थे।

फोर्स तैनात

घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने हंगामा शुरू कर दिया और शवों को उठाने से रोक दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि बस चालक की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ है। मौके पर स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कई थानों की पुलिस फोर्स तैनात की गई है। पुलिस अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों को समझाने-बुझाने का प्रयास किया जा रहा है।

गोरखपुर में घर के बाहर सो रही महिला से छेड़खानी

देवरिया, संवाददाता । महिला ने

पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि नौ जून की रात भोजन करने के बाद वह अपने कमरे के बाहर सो रही थी। आरोप है कि रात करीब तीन बजे पड़ोस में किराये पर रहने वाला योगेंद्र उनके पास पहुंचा और अश्लील हरकत करने लगा। महिला की नींद खुलने पर उन्होंने शोर मचाया, जिससे आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। चिलुआताल थाना क्षेत्र में कमरे के बाहर सो रही महिला से युवक ने छेड़खानी शुरू कर दी। महिला के शोर मचाने पर मोहल्ले वालों ने आरोपी युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस के अनुसार संतकबीरनगर जिले की रहने वाली महिला क्षेत्र में किराये का कमरा लेकर रहती है। वह मजदूरी कर अपना जीवनयापन करती है। महिला ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि नौ जून की रात भोजन करने के बाद वह अपने कमरे के बाहर सो रही थी। आरोप है कि रात करीब तीन बजे पड़ोस में किराये पर रहने वाला योगेंद्र उनके पास पहुंचा और अश्लील हरकत करने लगा। महिला की नींद खुलने पर उन्होंने शोर मचाया, जिससे आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। महिला से घटना की जानकारी लेने के बाद मोहल्ले के लोगों ने आरोपी युवक को पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दे दी। इसके बाद पुलिस युवक को थाने ले गई।

गोरखपुर रेलवे स्टेशन परिसर में बनेगी सिक्सलेन सड़क

गोरखपुर, संवाददाता । सिक्सलेन सड़क

निर्माण के लिए स्टेशन परिसर में स्थापित हेरिटेज रेल इंजन और कोच रेस्टोरेंट को हटाया जाएगा। रेल प्रशासन ने कोच रेस्टोरेंट का लाइसेंस निरस्त भी कर दिया है। इसके अलावा कार व बाइक पार्किंग भी तोड़ी जाएगी। इसी जगह पर सड़क बनाई जाएगी। रेलवे स्टेशन परिसर में मुख्य द्वार से आने-जाने के लिए सिक्सलेन सड़क बनेगी। इसकी चौड़ाई 30 मीटर होगी। इसमें दो लेन प्रवेश और निकास एवं तीसरा लेन फुटपाथ के लिए होगा। एयरपोर्ट की तरह ही जिस रास्ते यात्री प्रवेश करेंगे, उधर से बाहर नहीं निकल सकेंगे। जून के अंतिम सप्ताह में कार्य शुरू कराने की तैयारी है।

सिक्सलेन सड़क निर्माण के लिए स्टेशन परिसर में स्थापित हेरिटेज रेल इंजन और कोच रेस्टोरेंट को हटाया जाएगा। रेल प्रशासन ने कोच रेस्टोरेंट का लाइसेंस निरस्त भी कर दिया है। इसके अलावा कार व बाइक पार्किंग भी तोड़ी जाएगी। इसी जगह पर

सड़क बनाई जाएगी।

वर्तमान सभी सात प्रवेश द्वार बंद कर दिए जाएंगे और सिर्फ एक प्रवेश और एक निकास द्वार रहेगा। साथ ही एक इमरजेंसी द्वार भी बनाने की योजना है। रेल प्रशासन ने इसकी तैयारियां शुरू कर दी है। प्रस्ताव के मुताबिक, 12.5-12.5 मीटर दो लेन की सड़क होगी और पांच मीटर का फुटपाथ बनेगा।

1885 में अस्तित्व में आया था गोरखपुर स्टेशन

15 जनवरी 1885 को सोनपुर से मनकापुर तक मीटर गेज रेल लाइन के निर्माण के साथ ही गोरखपुर रेलवे स्टेशन अस्तित्व में आया। वर्ष 1886 में गोरखपुर से उस्का बाजार लाइन के निर्माण के साथ ही गोरखपुर जंक्शन स्टेशन बना। स्टेशन पुनर्विकास योजना के तहत निर्माण कार्य के क्रम में 30 मीटर चौड़ी सड़क बनाई जाएगी। इसके लिए हेरिटेज रेल इंजन और कोच रेस्टोरेंट को 20 जून तक हटाने की तैयारी है।

रतनदीप गुप्ता, स्टेशन डायरेक्टर, गोरखपुर

खजांची-पादरी बाजार मार्ग पर खुले हैं नाले

चलें तो जरा संभलकर- मौत के बाद भी लापरवाही

गोरखपुर, संवाददाता । दुकानदार पप्पू ने बताया कि नाले की गहराई काफी अधिक है और सड़क से इसकी दूरी भी बहुत कम है। रात के समय या बारिश में स्थिति और खतरनाक हो जाती है। दुकानदार जुगनू ने बताया कि सड़क की ऊंचाई नाले से अधिक है। बाइक और साइकिल सवारों को हमेशा दुर्घटना का डर बना रहता है। बच्चों और बुजुर्गों के लिए चलना और भी जोखिम भरा है। खजांची चौराहे से पादरी बाजार जाने वाले मार्ग पर हरसेवकपुर नंबर-दो के राजनगर मोहल्ले के पास अधूरा नाला हादसों को दावत दे रहा है। इस जगह पर करीब 200 मीटर लंबाई में नाले पर स्लैब नहीं लगे हैं। नाला पूरी तरह से खुला है। यहां हर समय दुर्घटना का खतरा बना रहता है। यहां पहले भी कई लोग घायल हो चुके हैं, जबकि एक दिन पहले ही इसी नाले में गिरकर एक व्यक्ति की मौत भी हो चुकी है।

ठूठीबारी डाकघर में 11.20 लाख रुपये का गबन, तत्कालीन उपडाकपाल पर FIR दर्ज

महाराजगंज, संवाददाता । भोलानाथ चौधरी 16 दिसंबर 2021 से 2 जुलाई 2024 तक उपडाकपाल, उपडाकघर ठूठीबारी के पद पर कार्यरत थे। तीन जुलाई 2024 को डाक निरीक्षक महाराजगंज उपमंडल द्वारा उपडाकघर ठूठीबारी का नगदी सत्यापन किया गया। सत्यापन के दौरान 10 लाख 98 हजार 306 रुपये की धनराशि उपलब्ध नहीं पाई गई। जांच के समय संबंधित अधिकारी उक्त धनराशि के संबंध में कोई वैध दस्तावेज, वाउचर अथवा अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सके। ठूठीबारी उपडाकघर में सरकारी धनराशि के गबन का मामला सामने आया है।

इस संबंध में डाक विभाग की शिकायत पर थाना ठूठीबारी में तत्कालीन उपडाकपाल भोलानाथ चौधरी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोप है कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान 11 लाख 20 हजार 274 रुपये की सरकारी धनराशि का गबन किया। जानकारी के अनुसार, भोलानाथ चौधरी 16 दिसंबर 2021 से 2 जुलाई 2024 तक उपडाकपाल, उपडाकघर ठूठीबारी के पद पर कार्यरत थे। तीन जुलाई 2024 को डाक निरीक्षक महाराजगंज उपमंडल द्वारा उपडाकघर ठूठीबारी का नगदी सत्यापन किया गया। सत्यापन के दौरान 10 लाख 98 हजार 306 रुपये

की धनराशि उपलब्ध नहीं पाई गई। जांच के समय संबंधित अधिकारी उक्त धनराशि के संबंध में कोई वैध दस्तावेज, वाउचर अथवा अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सके। विभागीय जांच में यह भी सामने आया कि 20 फरवरी 2023 तथा 13 अप्रैल 2023 को पीएलआई एवं आरपीएलआई प्रीमियम की क्रमशः 19 हजार 540 रुपये और 2 हजार 428 रुपये की राशि मैकैमिश प्रणाली में जमा दिखाई गई, लेकिन उसे सरकारी लेख में दर्ज नहीं किया गया। इस प्रकार कुल 11 लाख 20 हजार 274 रुपये के गबन की पुष्टि विभागीय जांच में हुई।

मानसून ने बदली मौसम की चाल-पूर्वोत्तर-दक्षिण में भारी बारिश



कहीं आंधी-तेज बारिश कहीं हीटवेव का अलर्ट

लखनऊ, संवाददाता। देशभर में मौसम तेजी से बदल रहा है। मौसम विभाग ने पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत में भारी बारिश, जबकि दिल्ली समेत कई राज्यों में आंधी, बिजली और ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है। अगले पांच दिनों में मानसून कई नए राज्यों

में पहुंच सकता है। देशभर में मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों में जहां लू और भीषण गर्मी का असर बना हुआ है, वहीं अनेक राज्यों में बारिश, आंधी, बिजली गिरने और ओलावृष्टि की संभावना भी है। मौसम विभाग

(आईएमडी) के अनुसार ऊपरी हवा में बने चक्रवाती परिसंचरण, सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और अन्य मौसमीय प्रणालियों के प्रभाव से आने वाले दिनों में देश के अधिकतर हिस्सों में मौसम सक्रिय रहेगा। इसी बीच दक्षिण-पश्चिम मानसून की रफ्तार भी बढ़ने

लगी है और अगले पांच दिनों के दौरान इसके कई नए राज्यों में आगे बढ़ने की संभावना है। मौसम विभाग ने कई राज्यों में भारी बारिश, तेज हवाओं और बिजली गिरने की चेतावनी जारी करते हुए लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

राम मंदिर दान प्रकरण में नया मोड़

एक और महंत की एंट्री

लखनऊ, संवाददाता। राम मंदिर में दान राशि की कथित हेराफेरी को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। मामले में निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग तेज हुई है। कई संतों और जनप्रतिनिधियों ने सच्चाई सामने लाने पर जोर दिया है। श्रद्धालुओं के विश्वास को बनाए रखने के लिए जवाबदेही और पारदर्शिता को आवश्यक बताया गया। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दान राशि की हेराफेरी का मामला प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) तक पहुंच गया है। भाजपा नेता रजनीश सिंह ने प्रधानमंत्री को इस संबंध में एक शिकायती पत्र भेजा था। इस प्रकरण ने अब एक नया मोड़ ले लिया है। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष और प्रधानमंत्री के पूर्व प्रमुख सचिव नृपेंद्र मिश्र सोमवार को अचानक अयोध्या पहुंचे थो, उन्होंने बंद कमरे में एक बैठक की, जिससे कई सवाल खड़े हो रहे हैं। वहीं, अब एक और महंत की एंट्री हो गई। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में दान व्यवस्था को लेकर उठे विवाद पर महंत कमल नयन दास ने कहा कि यदि कहीं कोई गड़बड़ी हुई है तो उसकी निष्पक्ष और पारदर्शी जांच अवश्य होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जांच करने वालों की निष्पक्षता पर भी सवाल उठ रहे हैं, जिससे लोगों के मन में संदेह पैदा हो रहा है।



नए महंत की एंट्री ने बढ़ाई हलचल

सूत्रों के अनुसार, मिश्र ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने मंदिर की व्यवस्थाओं से जुड़े प्रमुख अधिकारियों के साथ भी विस्तृत बात की। यह बैठक पूरी तरह गोपनीय रखी गई थी। इसकी कार्यसूची को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई। बैठक के बाद वह मंगलवार सुबह दिल्ली के लिए रवाना हो गए। राम मंदिर में दान राशि को लेकर उठे विवाद और उसके तुरंत बाद नृपेंद्र मिश्र के इस दौरे को राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। चर्चा है कि मंदिर की व्यवस्थाओं और हालिया घटनाक्रम पर तैयार होने वाली रिपोर्ट अब शीर्ष स्तर तक पहुंच सकती है। प्रशासन से जुड़े किसी भी आरोप की पारदर्शी जांच आवश्यक उधर, भाजपा नेता डॉ. रजनीश सिंह

ने प्रधानमंत्री को भेजे अपने पत्र में पूरे मामले की उच्चस्तरीय, निष्पक्ष और समयबद्ध जांच की मांग की है। उन्होंने कहा है कि श्रीराम मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है, इसलिए दान, चढ़ावे और मंदिर प्रशासन से जुड़े किसी भी आरोप की पारदर्शी जांच आवश्यक है। डॉ. सिंह ने पत्र में लिखा है कि यदि आरोप गलत हैं तो जांच के माध्यम से सच्चाई सामने आनी चाहिए और यदि कहीं कोई अनियमितता हुई है तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि श्रद्धालुओं का विश्वास सर्वोपरि है और उस विश्वास को बनाए रखने के लिए हर स्तर पर पारदर्शिता जरूरी है। ऐसे में मामला केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि जवाबदेही और पारदर्शिता के प्रश्न भी केंद्र में आ गए हैं।

यूपी में पीसीएस अधिकारियों को मिली आईएएस पदोन्नति

यूपी में कई पीसीएस अधिकारी आईएएस बने। विश्वनाथ मंदिर के सीईओ विश्वभूषण मिश्रा भी प्रमोट। डॉ. सुनील वर्मा भी आईएएस कैडर में शामिल।

संवाददाता, वाराणसी। उत्तर प्रदेश में पीसीएस अधिकारियों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सामने आई है, जिसमें कई अधिकारियों को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में पदोन्नति दी गई है। इस सूची में 2011 बैच के पीसीएस अधिकारियों का नाम शामिल है। इनमें विश्व भूषण मिश्र वर्तमान में सीईओ विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट के पद पर कार्यरत हैं। इसके अलावा डा. सुनील वर्मा भी आईएएस बने हैं। वह भी पूर्व में वाराणसी में वीडोए सचिव और मुख्य कार्यपालक अधिकारी काशी विश्वनाथ मंदिर में रह चुके हैं। जिनमें अतुल कुमार, जो वर्तमान में मुरादाबाद में एडिशनल म्यूनिसिपल कमिश्नर के पद पर कार्यरत हैं, अमित सिंह, जो लखनऊ में डिप्टी चीफ इलेक्शन ऑफिसर हैं, प्रियंका सिंह, जो कमांडेंट डिफेंस ट्रेनिंग संस्थान में कार्यरत हैं, अमित कुमार, जो कानपुर देहात में एडीएम हैं, डॉ. सुनील कुमार वर्मा, जो लखनऊ में एडिशनल कमिश्नर जीएसटी हैं, और गरिमा स्वरूप, जो लखनऊ में ओएसडी चुनाव आयोग के पद पर कार्यरत हैं, शामिल हैं। इस

सूची को आगे बढ़ाते हुए, पीसीएस संदीप कुमार, जो हापुड़ में एडीएम हैं, राकेश कुमार सिंह, जो लखनऊ में एडीएम हैं, और डॉ. वैभव शर्मा, जो गोरखपुर में एडीएम हैं, भी इस बार आईएएस कैडर में शामिल हुए हैं। इसके अतिरिक्त, 2012 बैच के पीसीएस अधिकारी विश्वभूषण मिश्रा का नाम भी इस सूची में शामिल किया गया है, जो वर्तमान में विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट के सीईओ के पद पर कार्यरत हैं। यह उल्लेखनीय है कि डॉ. सुनील वर्मा भी इस बार आईएएस बने हैं। उन्होंने पूर्व में वाराणसी में वीडोए सचिव और काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी के रूप में कार्य किया है। इस प्रमोशन की प्रक्रिया में अधिकारियों की कार्यकुशलता, अनुभव और प्रशासनिक क्षमता को ध्यान में रखा गया है। यूपी में पीसीएस अधिकारियों की आईएएस में पदोन्नति से न केवल उनके व्यक्तिगत करियर को बल मिलेगा, बल्कि यह राज्य के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। यह कदम प्रशासनिक क्षेत्र में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करेगा।

जौनपुर में लाठी से पीटकर व्यक्ति की हत्या, चार लोग हुए घायल

जौनपुर में भूमि विवाद ने ली जान, लाठी से पीटकर हत्या चार घायल, आरोपियों के मड़हे में लगाई आग

जौनपुर में भूमि विवाद के चलते व्यक्ति की हत्या। लाठी से पीटकर 48 वर्षीय अजय सिंह को मारा गया। चार आरोपी गिरफ्तार, ग्रामीणों ने मड़हे को जलाया।

घायलों में अखिलेश सिंह, हिमांशू सिंह, शिवम सिंह और आकृति सिंह शामिल हैं। सभी का इलाज जारी है। वहीं, घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने आरोपितों के मड़हे को आग के हवाले कर दिया। इस मामले में पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने बताया कि चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है और मामले की जांच जारी है।

यमुना एक्सप्रेसवे से कानपुर हाईवे कट पर उतरने में होगा सुखद अहसास

संवाददाता, आगरा। शहर के एंट्री प्वाइंट्स को संवार रहा एडीए कुबेरपुर जंक्शन का सुंदरीकरण फतेहाबाद रोड स्थित इनर रिंग रोड के इंटरचेंज की तरह करेगा। कुबेरपुर जंक्शन का 3.5 करोड़ रुपये से सुंदरीकरण किया जाएगा। यहां हरियाली विकसित करने के साथ ही रेड सैंड स्टोन की आकर्षक कलाकृतियां (स्कल्पचर) लगाई जाएंगी। यमुना एक्सप्रेसवे से आगरा आने वाले पर्यटकों और यात्रियों के मध्य इससे शहर की छवि अच्छी बनेगी। एडीए ने कुबेरपुर जंक्शन के सुंदरीकरण के लिए टेंडर किया है।

कुबेरपुर जंक्शन इनर रिंग रोड और आगरा-फिरोजाबाद हाईवे पर स्थित है। यहां सुंदरीकरण कर रेड सैंड स्टोन (लाल बलुई पत्थर) के आकर्षक पिलर लगाए जाएंगे। राउंड सर्किल में शंख व अन्य आकर्षक स्कल्पचर लगाए जाएंगे। यहां पौधे व घास लगाकर हरियाली करने के साथ आकर्षक लाइट लगाई जाएंगी। इससे पूर्व इनर रिंग रोड के फतेहाबाद रोड स्थित इंटरचेंज पर सुंदरीकरण का काम एडीए करा चुका है। यहां शंख, भगवान श्रीकृष्ण व अर्जुन का रथ, मोर, आगरा के स्मारकों

का मानचित्र समेत अन्य कलाकृतियां लगाने के साथ ही हरियाली विकसित की गई थी। आकर्षक लाइट लगाई गई थी। ताजनगरी फेज-टू में माडल रोड में मंडप बनाने के साथ ही मोर लगाए गए थे। इनर रिंग रोड के शमसाबाद अंडरपास के सुंदरीकरण का काम भी एडीए द्वारा किया जा रहा है। एडीए के मुख्य अभियंता संजीव कुमार ने बताया कि कुबेरपुर जंक्शन के सुंदरीकरण को टेंडर जारी कर दिया गया है। टेंडर प्रक्रिया पूरा होते ही काम शुरू करा दिया जाएगा।

संवाददाता, नौपेड़वा (जौनपुर)। बक्शा थाना क्षेत्र के कौली गांव में बुधवार की रात भूमि विवाद के चलते 48 वर्षीय अजय सिंह की लाठी से पीटकर हत्या कर दी गई। इस घटना में अजय के पक्ष के चार लोग भी घायल हुए हैं, जिनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों को नौपेड़वा सीएचसी अस्पताल से जिला अस्पताल भेजा गया है। इस मामले में पुलिस ने चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। कौली गांव के निवासी अजय कुमार सिंह उर्फ पप्पू का पड़ोसी दानबहादुर शर्मा और

तेजबहादुर शर्मा के साथ बगीचे की जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। बुधवार की रात इसी विवाद को लेकर दोनों पक्षों में फिर से वाद-विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते दोनों पक्षों के लोग इकट्ठा हो गए और मारपीट शुरू हो गई। इस दौरान अजय को लाठी से सिर और शरीर में गंभीर चोटें आईं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। अजय को तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

सीएम योगी के बरेली दौरे से पहले प्रशासनिक फेरबदल

बीडीए की उपाध्यक्ष बनीं सौम्या पांडे, हटाए गए मनिकंडन ए बरेली,संवाददाता। बरेली में मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे से ठीक पहले शासन ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) के उपाध्यक्ष मनिकंडन ए को उनके पद से हटा दिया है। शासन द्वारा जारी आदेश में उन्हें प्रतीक्षारत (वेटिंग) रखा गया है। बरेली में मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे से ठीक पहले शासन ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) के उपाध्यक्ष मनिकंडन ए को उनके पद से हटा दिया है। शासन द्वारा जारी आदेश में उन्हें प्रतीक्षारत (वेटिंग) रखा गया है। उनकी जगह 2017 बैच की आईएएस अधिकारी सौम्या पांडे को बीडीए उपाध्यक्ष का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। शासन के इस फैसले के बाद प्रशासनिक और राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। खास बात यह है कि यह बदलाव ऐसे समय हुआ है जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बरेली दौरे की तैयारियां चल रही हैं और बीडीए की कई महत्वाकांक्षी परियोजनाएं चर्चा में हैं। रामायण वाटिका समेत कई परियोजनाओं का मुख्यमंत्री को लोकार्पण एवं शिलान्यास करना है।

लखनऊ में उमड़े काकरोच—पेपर लीक को लेकर प्रदर्शन, शिक्षा मंत्री का मांगा इस्तीफा



लखनऊ,संवाददाता। राजधानी लखनऊ में युवाओं ने काँकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व में पेपर लीक और परीक्षाओं में अनियमितता को लेकर जमकर विरोध प्रदर्शन किया और शिक्षामंत्री के इस्तीफे की मांग की। राजधानी लखनऊ के ईको गार्डन में शुक्रवार को काँकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व में युवाओं ने पेपर लीक और परीक्षाओं में हो रही अनियमितता को लेकर प्रदर्शन किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में युवा एकत्रित हुए। युवाओं ने प्रदर्शन करते हुए नीट पेपरलीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। वहीं, प्रदर्शन को देखते हुए ईको गार्डन और आसपास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में पुलिस बल व आरएफ की टीमों की तैनाती की गई थी। लखनऊ आगमन पर सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपक ने कहा कि हम शांतिपूर्ण प्रदर्शन करेंगे। अभिजीत जब ईको गार्डन में प्रदर्शन में शामिल होने पहुंचे तो भीड़ में फंस गए। हालांकि, कुछ देर बाद प्रदर्शनकारियों से मिले और अपनी मांगें रखीं। इसके पहले सीजेपी के नेतृत्व में



दिल्ली के जंतर मंतर और पुणे में प्रदर्शन किया। लखनऊ के बाद अमृतसर और बंगलुरु में प्रदर्शन किया जाएगा, इसके बाद 20 जून को दिल्ली के जंतर-मंतर पर बड़ा प्रदर्शन होगा। प्रदर्शन में शामिल होने के लिए पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपक पहुंचे। इस दौरान वो भीड़ में भी फंस गए। हालांकि, उन्होंने प्रदर्शन को संबोधित किया और कहा कि सरकार को शिक्षामंत्री से इस्तीफा लेना चाहिए। युवा-आधारित आंदोलन का यह प्रदर्शन दिल्ली से शुरू हुए देशव्यापी आंदोलन का हिस्सा है, जो राज्य की राजधानी में इको गार्डन में आयोजित हुआ है। प्रदर्शन के दौरान युवाओं ने राज्य में अलग-अलग परीक्षाओं में सामने आई अनियमितता का मुद्दा उठाया और सरकार से जवाब मांगा। प्रदर्शन को लेकर प्रशासन ने पहले से ही तैयारियां कर ली थीं। ईको गार्डन और आसपास के क्षेत्रों में पुलिस बल के साथ ही रैपिड एक्शन फोर्स की भी तैनाती की गई थी।

लखनऊ-दिल्ली इंडिगो उड़ान में टायलेट पेपर पर मिली बम की धमकी, यात्रियों में फैली दहशत

लखनऊ,संवाददाता। अहमदाबाद से दिल्ली होते हुए लखनऊ पहुंची एक उड़ान में बम होने की सूचना मिलने पर एयरपोर्ट प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं। विमान की सुरक्षित लैंडिंग कराकर यात्रियों को बाहर निकाला गया। बम निरोधक दस्ता और सुरक्षा बल विमान की जांच में जुटे हैं। फिलहाल खतरे की पुष्टि नहीं हुई है। लखनऊ से शुक्रवार सुबह दिल्ली जाने वाली उड़ान में अचानक बम विस्फोट की धमकी की सूचना मिलते ही एयरपोर्ट प्रशासन में हड़कंप मच गया। आनन फानन सुरक्षा एजेंसियों को बुलाकर जांच हड़ताल की गई। इसके बाद पता चला कि किसी

शरारती तत्व द्वारा फर्जी करतूत की गई है। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक, शुक्रवार को सुबह 10रु45 बजे लखनऊ से दिल्ली जाने वाली इण्डिगो की उड़ान (6ई2111) टेक ऑफ करने को तैयार थी। विमान में 180 यात्री बैठ चुके थे। तभी विमान के टॉयलेट में किसी यात्री को टिशू पेपर पर विमान में बम विस्फोट होना लिखा मिला। इसकी जानकारी विमान के पायलट को हुई तो उसने आनन फानन इसकी सूचना एटीसी को दी। **सवार यात्रियों को पता चला तो वह दहशत में आ गए** विमान में सवार यात्रियों को पता चला तो वह

दहशत में आ गए। एयरपोर्ट प्रशासन ने सुरक्षा एजेंसियों को सूचना दी। आनन फानन बम निरोधक दस्ता, डॉग स्कवाड, मेडिकल टीम और फायर टीम सहित अन्य सुरक्षा एजेंसियों को बुला लिया गया। इसके बाद सुरक्षा कर्मियों ने गहनता से जांच पड़ताल की। काफी देर तक चली जांच पड़ताल के बाद भी कुछ नहीं मिला। बाद में पता चला कि यह किसी शरारती तत्व द्वारा फर्जी करतूत की गई है। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियों द्वारा जांच पड़ताल के बाद यात्रियों और एयरपोर्ट प्रशासन ने राहत की सांस ली। एयरपोर्ट सूत्रों ने बताया कि अब यह विमान जल्द ही यहां से रवाना होने वाला है।

स्पेशल क्लोज का आंकड़ा 85 प्रतिशत से शून्य पर पहुंचा

बस्ती जनपद ने एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली (आइजीआरएस) में प्रदेश में 20वां स्थान प्राप्त किया है, जो पिछली बार के 36वें स्थान से बेहतर है।

संवाददाता, बस्ती। एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली यानी आइजीआरएस में बस्ती जनपद को प्रदेश में 20 वां स्थान मिला है, जबकि सिद्धार्थनगर 42 व संतकबीर नगर 45 वें स्थान पर है। पिछली बार बस्ती की रैंक 36 आई थी, जिसमें गुणवत्ता युक्त सुधार हुआ है। जिलाधिकारी कृत्तिका ज्योत्स्ना की सख्ती के बाद इस बार विभागीय अधिकारियों और तहसीलदारों ने भी अपनी रुचि दिखाई है। पहले यह कार्य बाबुओं और राजस्व कर्मियों के भरोसे छोड़ दिया जाता है, जिससे वह गलत रिपोर्ट लगा देते थे, यह मामला जब डीएम ने पकड़ा तो उन्होंने इसकी जिम्मेदारी सीडीओ सार्थक अग्रवाल को सौंप दिया।

ससुराल से लौट रहा था परिवार, तेज रफ्तार कार बनी काल, मासूम समेत चार लोगों की दर्दनाक मौत

सहारनपुर। सहारनपुर में कोठड़ी-धौलाकुआं मार्ग पर कार और बाइक की टक्कर में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। सभी लोग ससुराल से वापस अपने गांव लौट रहे थे। सहारनपुर जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। कोठड़ी-धौलाकुआं मार्ग पर तेज रफ्तार कार ने एक बाइक को टक्कर मार दी, जिसमें एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। **ससुराल से लौटते समय हुआ हादसा** जानकारी के अनुसार मिर्जापुर थाना क्षेत्र के गांव मलकपुर निवासी लविश अपने परिवार के सदस्यों के साथ शुक्रवार को



अपनी ससुराल कोठड़ी गया था। शनिवार दोपहर को वह परिवार के साथ वापस गांव लौट रहा था। इसी दौरान कोठड़ी और धौलाकुआं के बीच पीछे से आ रही

एक कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। **चार लोगों की मौके पर मौत** हादसे में 28 वर्षीय लविश पुत्र जयपाल,

उसकी 5 वर्षीय पुत्री रुही, 24 वर्षीय संजना पुत्री जयपाल और 50 वर्षीय राजदुलारी पत्नी जयपाल की मौत हो गई। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि परिवार को संभलने का मौका तक नहीं मिला। **परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़** बताया गया है कि लविश तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था। उसकी शादी वर्ष 2022 में हुई थी। उसके एक बेटा और एक बेटी हैं। हादसे में बेटी रुही की भी जान चली गई, जबकि बेटा अब अपने परिवार के कई सदस्यों को खो चुका है। एक साथ चार मौतों से गांव मलकपुर में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस ने मामले की जानकारी लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। हादसे के बाद क्षेत्र में लोगों की भारी भीड़ जुट गई।

यहां से बरामद हुए 12 लाख, आरोपी कार मिस्त्री को एक साल पहले ट्रस्ट में मिली थी नौकरी



अयोध्या। राम मंदिर के दानपात्र से कथित धन गबन मामले में रुदौली क्षेत्र से 10 से 12 लाख रुपये बरामद किए गए। आरोपी मंदिर कर्मियों के घर पर कार्रवाई हुई। मामले की जांच जारी है। बरामद धनराशि के स्रोत व उपयोग की पड़ताल की जा रही है। राम मंदिर के दानपात्र से धन गबन के आरोप में रुदौली क्षेत्र के मीनापुर ठकुरन फगौली गांव

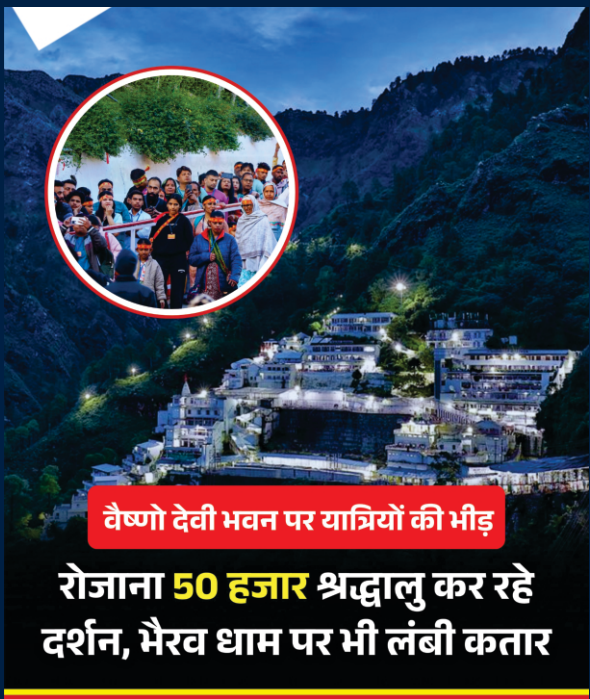
में छापेमारी कर 10 से 12 लाख रुपये बरामद किए गए। कार्रवाई राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में की गई। बरामदगी आरोपी लवकुश मिश्रा के घर से हुई, जो मंदिर में कर्मियों के रूप में कार्यरत रहा है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि फैजाबाद में बन रहे मकान का उनके बेटे से कोई संबंध नहीं है

और मकान निर्माण के लिए उन्होंने 10-12 बीघा खेत गिरवी रखा है। ग्रामीणों के अनुसार, लवकुश पहले कार मिस्त्री था और मंदिर में नौकरी मिलने के बाद उसकी आर्थिक स्थिति तेजी से बदली थी। वहीं गांव में यह भी चर्चा है कि कुछ रुपये घूर में छिपाकर रखे गए थे, जिन्हें पुलिस ने बरामद किया है।

बेटी पति की थी या फिर पिता की...

आगरा,संवाददाता। बेटी पति की थी या पिता की इसका डीएनए जांच से खुलासा होगा। कोर्ट के आदेश पर तीन माह पूर्व दफनाए बच्ची के शव का डीएनए टेस्ट होगा। आगरा पुलिस मथुरा पहुंच गई है। बच्ची का शव निकालकर जांच के लिए भेजा गया है। मथुरा के सौंख में असमय मौत का शिकार होने वाली बच्ची अपने पिता की संतान थी या फिर अपने नाना की, यह पता डीएनए जांच से चलेगा। इस बच्ची के शव को आगरा से आई पुलिस ने निकालकर जांच के लिए भिजवा दिया है। एक साल की इस मासूम की गर्म दूध से जलने के कारण हो गई थी। बच्ची की मां ने आरोप लगाया था कि उसकी बच्ची उसके पति की नहीं बल्कि पिता की औलाद है। पिता उसके साथ जबरदस्ती करता था। आगरा के एक थाना क्षेत्र निवासी युवती की शादी तीन साल पहले मथुरा के एक थाना क्षेत्र निवासी युवक से हुई थी।

गादी के करीब एक साल बाद विवाहिता ने अपने पिता के खिलाफ आगरा के थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। महिला ने आरोप लगाया था कि उसका पिता उसे नशीला पदार्थ देकर उसके साथ संबंध बनाता था। इसके चलते वह गर्भवती हुई और एक बच्ची को जन्म दिया। आगरा पुलिस इस मामले में लगातार जांच कर रही थी। यह मामला अब न्यायालय में चल रहा है। **गर्म दूध से झुलस गई थी बच्ची** बच्ची भी एक साल की हो गई थी। इसी साल मार्च महीने में अपने पिता के यहां यह बच्ची गर्म दूध से झुलस गई। हालत गंभीर होने पर बच्ची को जयपुर के लिए रेफर कर दिया गया, जहां उसकी मौत हो गई। परिजन ने बच्ची के शव को हिंदू मान्यताओं के अनुसार जमीन में दफना दिया और अंत्येष्टि कर दी।



वैष्णो देवी भवन पर यात्रियों की भीड़

रोजाना 50 हजार श्रद्धालु कर रहे दर्शन, भैरव धाम पर भी लंबी कतार

“

देश के सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में जनता की सेवा करने की ऐतिहासिक उपलब्धि पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

गृह मंत्री अमित शाह



भारत के आम रोककर नेपाल ने किया बड़ा कांड

भारत अपनी सैन्य ताकत को और मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाने जा रहा है। चीन और पाकिस्तान से मिल रही दोहरी चुनौतियों के बीच भारतीय सेना 300 से ज्यादा ज़-9 वज्र सेल्फ-प्रोपेल हॉवित्जर तोपें खरीदने की तैयारी में है। इस प्रस्ताव की अनुमानित कीमत करीब 23,000 करोड़ रुपये बताई जा रही है और जल्द ही इसे रक्षा मंत्रालय की मंजूरी के लिए भेजा जा सकता है।



भारतीय सेना खरीदेगी 300 K-9 वज्र तोपें, 23,000 करोड़ का मेगा प्लान!

अमेरिकी सैन्य हमले में तीन भारतीय नाविकों की मौत

ओमान के शिनास बंदरगाह के पास MT जलवीर जहाज से जुड़ी एक घटना सामने आई है। भारतीय दूतावास इस स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है।

दिल्ली, एजेंसी। खाड़ी क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच ओमान स्थित भारतीय दूतावास ने गुरुवार को कहा कि उसे शिनास बंदरगाह के तट पर डूब जलवीर जहाज से जुड़ी एक और घटना की जानकारी मिली है। दूतावास इस पूरी स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है।

भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि हमें आज सुबह ओमान के शिनास बंदरगाह के पास डूब जलवीर जहाज से जुड़ी घटना की जानकारी मिली है। हम स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं और अधिक जानकारी के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर रहे हैं।

यह नया घटनाक्रम ओमान की खाड़ी में टैंकर सेटेबेलो पर हुए अमेरिकी सैन्य हमले के महज एक दिन बाद सामने आया है। सेटेबेलो पर हुए हमले में तीन भारतीय नाविकों की मौत की पुष्टि हुई है, जिस पर नई दिल्ली ने तीखी कूटनीतिक प्रतिक्रिया दी है। केंद्रीय पोत परिवहन मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने गुरुवार को पुष्टि करते हुए बताया कि हमले के बाद लापता हुए चालक दल के तीन भारतीय सदस्यों की दुःखद मृत्यु हो गई है।

भारत ने अमेरिकी राजनयिक को तलब कर जताया कड़ा विरोध

सेटेबेलो पर हुए हमले के बाद भारत ने सख्त रुख अपनाते हुए अमेरिकी प्रभारी जेसन मीक्स को तलब किया और अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया। विदेश मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव नागराज नायडू ने इस हमले और जहाज पर सवार भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर भारत की गहरी चिंताओं से अमेरिका को अवगत कराया। हमले के बाद जारी एक बयान में, विदेश मंत्रालय ने ओमान के तट पर एक कमर्शियल जहाज पर की गई इस स्ट्राइक की कड़ी निंदा की। मंत्रालय ने बताया कि टैंकर पर कुल 24 भारतीय सवार थे, जिनमें से 21 को सुरक्षित बचा लिया गया था, जबकि तीन शुरुआत में लापता हो गए थे। विदेश मंत्रालय ने इस क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों पर लगातार हो रहे हमलों को बेहद चिंताजनक बताया है और इसे पश्चिम एशिया में चल रहे मौजूदा संघर्ष से जोड़ा है।



जलवीर जहाज घटना ओमान के शिनास बंदरगाह के पास। भारतीय दूतावास स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है। खाड़ी क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा चिंताओं के बीच यह घटना।

जर्जर हो रहा श्रीबांके बिहारी मंदिर का ढांचा

आगरा, संवाददाता। बांकेबिहारी मंदिर के पास छज्जा गिरने की घटना के बाद एएसआई की रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें मंदिर की संरचना, दीवारों और छज्जों में कमजोरी व दरारों का उल्लेख किया गया है। रिपोर्ट में छत का भार कम करने, भारी उपकरण हटाने और तत्काल मरम्मत की सिफारिश की गई है। वृंदावन के ठाकुर श्रीबांकेबिहारी मंदिर के पास मंगलवार को एक भवन का छज्जा गिरने से नौ श्रद्धालु घायल हो गए थे, लेकिन खतरे और भी हैं। श्रीबांकेबिहारी मंदिर की इमारत ही अब जर्जर और कमजोर हो रही है। इसके छज्जों और दीवारों में दरारें आ चुकी छत पर ज्यादा भार डाला गया है। इसे हटाने की सिफारिश की गई है। यह खुलासा हाई पावर्ड कमेटी के निर्देश पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की जांच में हुआ है। एएसआई के तकनीकी सर्वेक्षण में भवन की नींव और संरचना कमजोर पाई गई है। बीते साल एएसआई की टीम ने श्रीबांकेबिहारी मंदिर का सर्वेक्षण किया था। उसकी रिपोर्ट पर मंदिर की मजबूती के लिए कोई उपाय नहीं किए गए। मंदिर के पास छज्जा गिरने से श्रद्धालु घायल हुए तो इस रिपोर्ट की सिफारिशों का खुलासा हुआ। एएसआई के डिप्टी सुपरिंटेंडेंट, असिस्टेंट आर्कियोलॉजिस्ट व सर्वेयर की टीम ने मंदिर प्रशासन की मौजूदगी में यह सर्वे किया था। इसमें मंदिर के ढांचे पर खतरा माना गया है और जरूरी बदलाव की बात कही गई है।

बेतरतीब ढंग से दीवार में लगाई सीढ़ियां एएसआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि सबसे ऊपर की छत पर जाने के लिए पत्थर की दीवार में लोहे की सीढ़ियां बनाई गई हैं। मंदिर परिसर में बिना किसी सुनियोजित ढंग से पाइप, लोहे की रॉड रखने और बैठने की जगह बना दी गई है। मंदिर में दर्शन के लिए भारी भीड़ पहुंच रही है। परिसर छोटा होने के कारण भीड़ से मंदिर को क्षति पहुंचने की आशंका है। मंदिर के अंदर मरम्मत के ऐसे कार्य किए गए हैं, जिनसे फर्श, दीवारें, लकड़ी के दरवाजे कमजोर हो रहे हैं।

मंदिर ढांचे के लिए की गई सिफारिशें मंदिर की छत पर भार कम किया जाए, पानी की टंकियों, आरओ और लोहे के भारी गर्डर तत्काल हटाए जाएं आपातकालीन मरम्मत की जाए। लटके, दरारों वाले छज्जे, बालकनी पर सपोर्ट दिया जाए प्रथम तल से प्रसाद बनाने की जगह (रसोई) और प्रशासनिक अधिकारी के कार्यालय को शिफ्ट किया जाए मंदिर परिसर में गर्डर, पंखे, लोहे की जालियों को व्यवस्थित किया जाए

मंदिर के चारों तरफ के रास्ते चौड़े किए जाएं ताकि श्रद्धालु सुगमता से परिक्रमा कर सकें मंदिर के विस्तृत सर्वेक्षण के लिए आईआईटी रुड़की और एएसआई की संयुक्त टीम की सिफारिश की गई

बांकेबिहारी मंदिर... एएसआई रिपोर्ट में बड़ा खुलासा, दीवारों-छज्जों में दरारें



लालू यादव ने परिवार के साथ मनाया जन्मदिन



होम मेकर नहीं नेशन बिल्डर कहें...

गृहिणियों के योगदान को लेकर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में सड़क हादसों में जान गंवाने वाली गृहिणियों के परिवारों को मिलने वाले मुआवजे को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक और बड़ा फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि घर संभालने वाली महिलाओं को राष्ट्र निर्माता का दर्जा मिलना चाहिए। कोर्ट ने साफ किया कि उनके काम की तुलना किसी कुशल मजदूर की दिहाड़ी से करके उनके योगदान को कम नहीं आंका जा सकता।

अक्षय-रणवीर से आगे ये लेडी सुपरस्टार



साल 2018 में शादी करने वाली ये एक्ट्रेस अमेरिका में सेटल हो चुकी है. 2019 से उनकी कोई बॉलीवुड फिल्म भी नहीं आई. फिर भी वो भारत की तीसरी सबसे वैल्युएबल पर्सनैलिटी बन चुकी है.

कौन है ये लेडी सुपरस्टार?

इस एक्ट्रेस की गिनती बॉलीवुड इतिहास की सबसे बेहतरीन अदाकाराओं में होती है. उन्होंने न सिर्फ अपनी अदाकारी और खूबसूरती से फैंस का दिल जीता बल्कि ग्लोबल लेवल पर भी भारत कानाम दुनियाभर में रोशन किया है. उनके कद का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि 7 साल से उन्होंने कोई बॉलीवुड फिल्म नहीं दी है और वो अब भारत में भी नहीं रहती हैं, फिर भी वो भारत की तीसरी सबसे वैल्युएबल पर्सनैलिटी बन चुकी है. इस मामले में उन्होंने अक्षय कुमार और रणवीर सिंह सहित कई दम्पतियों को पीछे छोड़ दिया है.

बनी भारत की तीसरी सबसे वैल्युएबल पर्सनैलिटी

यहां बात हो रही है श्वेसी गर्लश के नाम से मशहूर दिग्गज एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा की. प्रियंका एक बार फिर से सुर्खियों में बनी हुई हैं. हाल ही में फॉर्च्यून इंडिया इंटरब्रांड की एक लिस्ट में उन्हें भारत की तीसरी सबसे ज्यादा वैल्युएबल पर्सनैलिटी का स्थान दिया गया है. इस लिस्ट में उनसे आगे सिर्फ दिग्गज क्रिकेटर विराट कोहली और शाहरुख खान हैं. विराट कोहली पहले और शाहरुख दूसरे नंबर पर हैं. ●●●●●●●●



'अल्फा' की वजह से बदली 'धमाल 4' की रिलीज डेट, अजय देवगन ने शेयर किया नया पोस्टर

लोकप्रिय कॉमेडी फ्रेंचाइजी की आने वाली फिल्म फिल्म श्धमाल 4र को लेकर दर्शकों के बीच एक्साइटेड देखने को मिल रहा है. इसी को देखते हुए मेकर्स ने बुधवार को फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है. मेकर्स ने फिल्म का पोस्टर शेयर किया, जिसमें उन्होंने बताया कि श्धमालश फ्रेंचाइजी की यह फिल्म 10 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. रिपोर्ट्स के मुताबिक, अजय ने आलिया भट्ट की श्अल्फा की वजह से इसकी रिलीज डेट को बदली है। ●●●●●●●●



दिल्ली की सीएम को कैसी लगी कंगना की फिल्म?

मुम्बई,एजेंसी। यशराज फिल्म्स की नई स्पाई मूवी 'अल्फा' का टीजर आते ही सोशल मीडिया पर बवाल मच गया है. टीजर में आलिया भट्ट तो जबरदस्त एक्शन करती दिखाई रही हैं, लेकिन फिल्म की दूसरी लीड एक्ट्रेस शरवरी वाघ कहीं नजर नहीं आई. आखिर मेकर्स ने उन्हें क्यों छिपाकर रखा है?

यशराज फिल्म्स की मच-अवेटेड स्पाई यूनिवर्स फिल्म 'अल्फा' का टीजर जैसे ही रिलीज हुआ, सोशल मीडिया पर इसे लेकर बातें शुरू हो गईं.

टीजर में आलिया भट्ट का खतरनाक एक्शन अवतार देखने को मिला और साथ में बॉबी देओल की एक छोटी सी झलक ने भी फैंस को एक्साइटेट कर दिया. लेकिन इस सबके बीच जिस बात ने सबसे ज्यादा लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचा, वो थी फिल्म की दूसरी अहम एक्ट्रेस शरवरी वाघ का टीजर से गायब होना।

फिल्म में बड़ा रोल होने के बावजूद टीजर में उनकी एक भी झलक न दिखने से लोग हैरान

हैं. इस टीजर के आने के बाद इंटरनेट पर तरह-तरह के सवाल उठने लगे हैं कि आखिर मेकर्स ने शरवरी को पूरी तरह से क्यों नजरअंदाज कर दिया? कुछ फैंस का कहना है कि मेकर्स जानबूझकर सारा ध्यान सिर्फ आलिया पर ही रखना चाहते हैं ताकि फिल्म की हाइप बनी रहे. कुछ लोग तो सोशल मीडिया पर इसे शरवरी के साथ नाइंसाफी भी बताने लगे हैं और कह रहे हैं कि उन्हें बराबर का मौका मिलना चाहिए था।



पहली मोहब्बत से आखिरी इजाजत की ख्वाहिश तक

क्या वादा निभा पाई फिल्म मैं वापस आऊंगा

एंटरटेनमेंट डेस्क। इम्तियाज अली की फिल्म मैं वापस आऊंगा आपको याद दिलाती है उस पुराने प्यार की जिसकी तड़प उम्र भर रहती है। जमीनें बंट जाती हैं मगर दिल कभी नहीं बंटता करते। फिल्म में एहसास हैं, इश्क है, बिछड़ने का गम है, अभिनय के रंग हैं। मगर कहीं कहीं कहानी ने कैमरे के आगे दम भी तोड़ा। जानिए कहां फीका हुआ मैं वापस आऊंगा का पकवान।

पहली मोहब्बत की अधूरी कहानी

इम्तियाज अली की कहानी हो तो दशकों की उम्मीदें फिल्म से कई गुना बढ़ जाती। फिल्म की कहानी अपने ट्रेलर अनुसार ही है। एक लव स्टोरी जो 78 साल से एक 94 साल के आदमी के दिमाग में चल रही है। मगर बंटवारे की त्रासदी के चलते उनकी मोहब्बत अधूरी रह गई। मगर वह अपनी अंतिम यात्रा के पहले एक बार अपनी लेडी लव से जाने की इजाजत चाहते हैं। मगर वह पकिस्तान में है। जहां जाना उनके लिए लगभग नमुमकिन सा है। अब उनका पोता निर्वैर ग्रेवाल (दिलजीत दोसांझ) उनकी उस अधूरी इच्छा को अपना उद्देश्य बना लेता है। इसी वजह से वो पाकिस्तान पहुंच जाता है। अब क्या उसे जिया उर्फ अफसाना वहां मिलेगी? क्या होगा इस लव स्टोरी का अंत इसके लिए आपको फिल्म देखनी पड़ेगी।

अभिनय के रंग

वेदांग रैना (कीनू ग्रेवाल) ने उम्मीद से जहां ज्यादा अच्छा परफॉर्म किया वही शरवरी अपने किरदार (अफसाना) के किरदार में बहुत खूबसूरत दिखाई दीं। नसीरुद्दीन शाह तो है ही दिग्गज मगर क्योंकि बीमारी के सीन की वजह से डायलॉग कम थे। मगर अभिनय कमाल था। मुख्य किरदारों के अलावा जो किरदार थे उन्होंने भी अच्छी एक्टिंग की है। फिल्म में दानिश पंडोर भी थे जिनका स्क्रीन टाइम कम था। इसके बाद भी वह अपने किरदार से इंसफ करते नजर आए। बाकी अभिनेता जैसे मनीष चौधरी, रजत कपूर का अभिनय भी बेहतरीन था।

कहां फीके पड़े कहानी के पकवान

इम्तियाज अली की कहानी हो तो दशकों की उम्मीदें फिल्म से



कई गुना बढ़ जाती। मगर यहां कहानी फर्स्ट हॉफ में आपको समझ नहीं कहीं आती। पहले सीन से जो कहानी आपको कैसी नोवेल जैसी फीलिंग देती है। नसीरुद्दीन शाह को जिस बीमारी का मरीज बताया गया है। उसके हिसाब से जो भी वो बोलते हैं आम दर्शकों के लिए समझना मुश्किल है। इसे अगर थोड़ा आसान कर देते तो शायद फर्स्ट हॉफ भी बचाया जा सकता था।

क्या दर्शकों तक भी पहुंचेगी इस दिल की बात?

फिल्म मैं वापस आऊंगा पुराने दौर और नए दौर को मिला बना गई है। अगर पुरानी कहानियां सुनने के शौकीन हैं तो फिल्म आपके लिए है। कहानी, अभिनय दोनों बेहतरीन है। अगर आपको धीमी कहानियां नहीं पसंद जिनकी परतें सब्र मांगती हैं। तो यह फिल्म आपके लिए नहीं है। फर्स्ट हॉफ कहानी को स्थापित करने में निकल जाता है। जो आपको थोड़ा बोर कर सकता है। मगर फिर भी फिल्म वन टाइम वॉच से ज्यादा है। किसी तरह की कोई अश्लीलता नहीं है। परिवार के साथ आराम से देख सकते हैं। सेकंड हॉफ लगता है कि अब आप इम्तियाज अली की दुनिया में आ गए हैं। तब आप उस दर्द को महसूस करने लगते हैं। आपको बंटवारे का दर्द, परिवारों का बिखरना, मोहब्बत का बिछड़ना आपको सब देखने मिलता है। जो आपको रुलाएगा भी और बहुत कुछ बताएगा भी।

ईशा रिखी ने बादशाह संग शादी पर लगाई मुहर

सिंगर और रैपर बादशाह ने इस साल मार्च में पंजाबी एक्ट्रेस ईशा रिखी से एक प्राइवेट सेरेमनी में गुपचुप शादी कर ली थी. उनकी शादी की तस्वीरें ऑनलाइन वायरल हुई थीं लेकिन दोनों में से भी किसी ने इसे कंफर्म नहीं किया था. फाइनली बादशाह की पत्नी ईशा रिखी ने अब इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए सिंगर के साथ अपनी शादी को कंफर्म कर दिया है और यह भी बताया है कि वे दोनों एक-दूसरे को सोशल मीडिया पर फॉलो क्यों नहीं करते हैं.

ईशा रिखी ने बादशाह संग शादी की कंफर्म

इंस्टाग्राम पर आस्क मी एनीथिंग सेशन के दौरान, ईशा रिखी ने अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़े सवालों के जवाब दिए. उन्होंने अपने पति देव बादशाह संग एक प्यारी तस्वीर भी शेयर की. बता दें कि एक फैन ने ईशा से पूछा था, मैडम, आपकी और बादशाह भाई की शादी हो गई है, तो आप एक-दूसरे को फॉलो क्यों नहीं करते? ईशा रिखी ने जवाब दिया, मुझे लगता है कि ऐसे सवालों की बाढ़ आ गई है. क्या आपकी शादी हो गई है? क्या आपकी शादी बादशाह से हुई है? आप एक-दूसरे को फॉलो क्यों नहीं करते? आप साथ में तस्वीरें क्यों नहीं पोस्ट करते? उन्होंने आगे कहा, ह्हां, मेरी शादी हो गई है. अब सबसे ज्यादा पूछे जाने वाले सवाल पर आते हैं, श्आप एक-दूसरे को फॉलो क्यों नहीं करते? सच कहूँ तो, मुझे लगता है कि मेरे पति को आप सभी को क्लियरिफिकेशन देना चाहिए. पति देव बादशाह दर्शकों के कुछ सवाल हैं प्लीज जल्दी आंसर दें.

बादशाह की पत्नी ईशा रिखी ने पहली तस्वीर भी की शेयर
एक और फैन ने ईशा से सवाल किया था कि वे बादशाह संग



ईशा रिखी ने बादशाह संग शादी की कंफर्म

तस्वीर क्यों नहीं पोस्ट करती हैं. फैन ने पूछा था, आपने अपने पति बादशाह के साथ कोई तस्वीर क्यों पोस्ट नहीं की? आप उनकी पत्नी हैं, फिर भी एक भी तस्वीर नहीं है. इसके बाद ईशा रिखी ने बादशाह की गोद में बैठे हुए अपने पति संग अपनी पहली तस्वीर शेयर की.

बादशाह और ईशा का रिश्ता

खबरों के मुताबिक, बादशाह और ईशा रिखी पिछले करीब चार साल से रिलेशनशिप में हैं. रिपोर्ट्स के अनुसार, दोनों की पहली मुलाकात एक पार्टी में कॉमन दोस्तों के जरिए हुई थी और धीरे-धीरे उनकी दोस्ती प्यार में बदल गई. मार्च 2026 में ईशा की मां पूनम रिखी ने दोनों की शादी की तस्वीरें अपने इंस्टा अकाउंट पर शेयर की थी. हालांकि इस जोड़ी ने अपन शादी को लेकर कुछ भी ऑफिशियली अनाउंस नहीं किया था।

‘अल्फा’ के टीजर से क्यों गायब रहीं शरवरी वाघ

मुम्बई,एजेंसी। यशराज फिल्म्स की नई स्पाई मूवी 'अल्फा' का टीजर आते ही सोशल मीडिया पर बवाल मच गया है. टीजर में आलिया भट्ट तो जबरदस्त एक्शन करती दिखाई रही हैं, लेकिन फिल्म की दूसरी लीड एक्ट्रेस शरवरी वाघ कहीं नजर नहीं आई. आखिर मेकर्स ने उन्हें क्यों छिपाकर रखा है?

यशराज फिल्म्स की मच-अवेटेड स्पाई यूनिवर्स फिल्म 'अल्फा' का टीजर जैसे ही रिलीज हुआ, सोशल मीडिया पर इसे लेकर बातें शुरू हो गईं.

टीजर में आलिया भट्ट का खतरनाक एक्शन अवतार देखने को मिला और साथ में बॉबी देओल की एक छोटी सी झलक ने भी फैंस को एक्साइटेट कर दिया. लेकिन इस सबके बीच जिस बात ने सबसे ज्यादा लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचा, वो थी फिल्म की दूसरी अहम एक्ट्रेस शरवरी वाघ का टीजर से गायब होना।

फिल्म में बड़ा रोल होने के बावजूद टीजर में उनकी एक भी झलक न दिखने से लोग हैरान

हैं. इस टीजर के आने के बाद इंटरनेट पर तरह-तरह के सवाल उठने लगे हैं कि आखिर मेकर्स ने शरवरी को पूरी तरह से क्यों नजरअंदाज कर दिया? कुछ फैंस का कहना है कि मेकर्स जानबूझकर सारा ध्यान सिर्फ आलिया पर ही रखना चाहते हैं ताकि फिल्म की हाइप बनी रहे. कुछ लोग तो सोशल मीडिया पर इसे शरवरी के साथ नाइंसाफी भी बताने लगे हैं और कह रहे हैं कि उन्हें बराबर का मौका मिलना चाहिए था।



धर्मशाला वनडे में खेलते ही नया कीर्तिमान बनाएंगे रोहित शर्मा



स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए तैयार है। दोनों टीमों के बीच शनिवार को धर्मशाला में पहला वनडे मैच खेला जाएगा। रोहित शर्मा एक बार फिर नीली जर्सी में नजर आएंगे। हालांकि, वह पहले वनडे मैच के दौरान बड़ा कीर्तिमान अपने नाम कर सकते हैं। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज का आगाज 13 जून से होने जा रहा है। सीरीज का पहला मुकाबला धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाना है। रोहित शर्मा को वनडे सीरीज में खेलने के लिए फिट घोषित कर दिया गया है। रोहित पहले वनडे मुकाबले में

मैदान पर उतरने के साथ ही खास उपलब्धि हासिल कर लेंगे। 37 साल पुराना रिकॉर्ड टूटेगा दरअसल, धर्मशाला के मैदान पर अफगानिस्तान के खिलाफ अगर रोहित शर्मा पहला वनडे मुकाबला खेलते हैं, तो वह भारत की ओर से वनडे क्रिकेट मैच खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएंगे। रोहित 37 साल पुराने रिकॉर्ड को ध्वस्त करेंगे, जो अभी मोहिंदर अमरनाथ के नाम दर्ज है। मोहिंदर ने 39 साल और 36 दिन की उम्र में अपना आखिरी वनडे मुकाबला खेला था। वहीं, शनिवार 13 जून को रोहित की उम्र 39 साल और 44 दिन होगी। ओवरऑल रिकॉर्ड की बात करें, तो वनडे क्रिकेट के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी नीदरलैंड्स के नोलन क्लार्क रहे हैं, जिन्होंने 47 साल और 257 दिन की उम्र में वनडे मैच खेला था। रोहित को दिखाना होगा दम रोहित ने आखिरी वनडे सीरीज न्यूजीलैंड के खिलाफ इस साल की शुरुआत में खेली थी। तीन मुकाबलों की सीरीज में रोहित का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा था। ऐसे में अफगानिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम के पूर्व कप्तान से फैंस को दमदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। 50 ओवर के फॉर्मेट में रोहित का रिकॉर्ड अफगानिस्तान के खिलाफ दमदार रहा है। तीन मुकाबलों में रोहित 75 की औसत और 127 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए अफगानिस्तान के खिलाफ 150 रन बना चुके हैं। रोहित इस दौरान एक शतक भी लगा चुके हैं। विराट कोहली और हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी में रोहित पर अधिक जिम्मेदारी भी होगी। कोहली और हार्दिक चोट की वजह से इस सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। विराट हैमस्ट्रिंग की इंजरी से जूझ रहे हैं, जबकि हार्दिक के बाएं पैर में निगल (हल्की चोट) है। विराट के स्थान पर यशस्वी जायसवाल को टीम में शामिल किया गया है।

केन विलियमसन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कहा अलविदा



न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने किया संन्यास का एलान

स्पोर्ट्स डेस्क। न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। विलियमसन इंग्लैंड दौरे पर गई न्यूजीलैंड टीम का हिस्सा हैं और दूसरे टेस्ट से पहले ही विलियमसन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट समाप्त करने का फैसला किया। इंग्लैंड दौरे के बीच न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने बड़ा एलान किया। विलियमसन ने तत्काल प्रभाव से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने की घोषणा कर दी है। इसके साथ ही विलियमसन के 16 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत हो गया है। 35 साल के विलियमसन न्यूजीलैंड के लिए सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने अपने करियर में 378 मैचों में 19346 रन बनाए हैं जिसमें 48 शतक और छह दोहरे शतक शामिल हैं। 2010 में किया था डेब्यू 2010 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाले केन विलियमसन ने बहुत जल्द ही

दुनिया को अपनी तकनीक, धैर्य और क्लास का मुरीद बना दिया था। उनकी बल्लेबाजी में आक्रामकता कम, लेकिन प्रभाव और निरंतरता ज्यादा दिखाई दी। विलियमसन उस दौर में न्यूजीलैंड क्रिकेट में अपनी पहचान बनाने में सफल हुए जब कीवी टीम की गिनती दुनिया की सबसे मजबूत टीमों में होती है। न्यूजीलैंड को दिलाया डब्ल्यूटीसी खिताब केन विलियमसन लंबे समय तक न्यूजीलैंड के कप्तान रहे और उनके नेतृत्व में ही न्यूजीलैंड ने भारत को हराकर पहला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का खिताब जीता था। यह जीत न्यूजीलैंड और विलियमसन के लिए व्यक्तिगत रूप से बहुत विशेष थी क्योंकि 2019 में टीम वनडे विश्व कप का खिताब जीतने से चूक गई थी। विलियमसन का मैदान पर व्यवहार भी फैंस का दिल जीतता रहा। यही वजह है कि विरोधी खिलाड़ी भी हमेशा उनका सम्मान करते दिखाई दिए।

भारत को हर हाल में खोज लेना चाहिए इस प्लेयर का विकल्प

भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज भारत शुरू करेगा 2027 वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी पूर्व क्रिकेटर ने भारत को एक चिंता का हल खोजने को कहा

स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय टीम शनिवार को अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के साथ 2027 वनडे वर्ल्ड कप की अपनी तैयारियां शुरू करेगी। रोहित शर्मा और कुलदीप यादव के प्रदर्शन पर फैंस की निगाहें होंगी, जिनकी जगह पर खतरा लगातार मंडरा रहा है। हालांकि, भारत

के पूर्व ऑलराउंडर सुरेश रैना का मानना है कि टीम को हार्दिक पांड्या का भरोसेमंद विकल्प खोजने की जरूरत है। रैना का मानना है कि अगले साल वनडे वर्ल्ड कप से पहले भारत की सबसे बड़ी चिंता तेज गेंदबाज ऑलराउंडर हैं।

रैना ने क्या कहा रैना ने जिओ स्टार के फॉलो द ब्लूज शो में बातचीत करते हुए टीम प्रबंधन से गुजारिश की है कि पांड्या की जगह दूसरा ऑलराउंडर खोजा जाए। हार्दिक पांड्या पिछले कुछ समय से चोटों से परेशान रहे हैं। वो पैर में दर्द के कारण आगामी वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। रैना ने कहा, शार्दिक पांड्या काफी चोटों से परेशान रहे हैं, जो कि चिंता का विषय है। जब अगले वनडे वर्ल्ड कप का समय आएगा तो भारत के पास उनका भरोसेमंद विकल्प होना चाहिए। **हार्दिक की फिटनेस समस्या** भारतीय टीम लंबे समय से इस चिंता से जूझ रही है हार्दिक पांड्या एकमात्र तेज गेंदबाज ऑलराउंडर रहे, जिन्होंने वनडे टीम में संतुलन बनाया। हालांकि, फिटनेस समस्या के कारण उनकी उपलब्धता कम रही, जिससे भारतीय टीम का संघर्ष बढ़ा। 2023 वनडे वर्ल्ड कप में हार्दिक पांड्या बीच टूर्नामेंट में चोटिल हुए और भारतीय टीम का संतुलन बिगड़ गया।

टेस्ट के बाद अब वनडे में भारत-अफगानिस्तान की टक्कर

स्पोर्ट्स डेस्क। इकलौते टेस्ट मैच में अफगानिस्तान को रौंदने के बाद अब भारतीय टीम वनडे सीरीज में दो-दो हाथ करने के लिए तैयार है। भारत और अफगानिस्तान के बीच 3 वनडे मैचों की सीरीज खेले जाएगी। इसकी शुरुआत 13 जून से हो



भारत-अफगानिस्तान के बीच 3 वनडे होंगे टेस्ट सीरीज में भारत ने अफगान को हराया वनडे विश्व कप की तैयारी करेगा भारत

रही है। आइए जानते हैं कि वनडे सीरीज का पहला मैच कहां खेला जाएगा? साथ ही फैंस इस मुकाबले का लाइव टेलिकास्ट और लाइव स्ट्रीमिंग कैसे देख सकते हैं? **भारत और अफगानिस्तान के बीच पहले वनडे मैच को मोबाइल पर कैसे देख सकते हैं?**

भारत और अफगानिस्तान के बीच पहले वनडे मैच को मोबाइल पर जियो हॉटस्टार एप पर देख सकते हैं। मैच से जुड़ी सभी अपडेट, मैच रिपोर्ट और अन्य खबरें आप दैनिक जागरण एप और वेबसाइट पर पढ़ सकते हैं। **हेड टू हेड** अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे में भारतीय टीम का पलड़ा भारी है। दोनों

टीमों के बीच अब तक 4 वनडे मैच खेले गए हैं। इस दौरान टीम इंडिया ने 3 मैच जीते हैं। वहीं 1 मुकाबला टाई रहा है। अफगानिस्तान टीम ने वनडे में अब तक भारत को नहीं हराया है।

भारतीय टीम शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, प्रिंस यादव, गुरनूर बराड़, हर्ष दुबे। **अफगानिस्तान टीम** हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, सेदिकुल्लाह अटल, दरविश रसूली, रहमत शाह, इकराम अलीखिल (विकेटकीपर), मोहम्मद नबी, अजमतुल्लाह उमरजई, राशिद खान, नांग्याल खारोताई, एएम गजनफर, जिया उर रहमान शरीफी, फरीद मलिक, बिलाल सामी।

वनडे सीरीज का शेड्यूल

पहला वनडे: 13 जून, धर्मशाला

दूसरा वनडे: 17 जून, लखनऊ

तीसरा वनडे: 20 जून, चेन्नई

दी नैक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक
बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन
ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा
हुसैनिया बिल्डिंग बक्सपुर
गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी
गंगा टोला, निकट जानकी
बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर
पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित।
पिन:- 273003

UPHIN/2023/90814

बृजेन्द्र कुमार

मो.0. नं.0. 7307180148, 9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोट:- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद
गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होंगे।